Class- B. Com 2nd year

Subject- International Trade and finance

Dr. Santosh Bohra

Lecture no 01

Page No (1)

International-Trade

Date 01/09/2020.

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (International Trade)

अर्थः- दो या दो से अधिक राष्ट्रों के बीच वस्तुओं व सेवाओं के क्रय-विक्रय तथा आदान-प्रदान की क्रिया ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहलाती है।

Meaning The term International trade literally means the activity of trade (buying and selling) among nations of the world. [Good and Services are bought and sold at International level.]

परिभाषाः- (1) सी. एफ. स्टेनलेक के मतानुसारः-

Definitions.

राष्ट्रों के मध्य वस्तुओं व सेवाओं के विनिमय को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहते है।

(1) According to C. F. Stanlake:- "International trade is an exchange of goods and services across national boundries."

(2) पी. टी. एल्सवर्थ के शब्दों में:- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापर वह व्यापार जो राष्ट्रीय सीमाओं

को पार कर जाता है।

(2) P.T. Ellsworth:- International Trade is ~~that~~ trade that crosses national boundries."

निष्कर्ष:- दो या दो से अधिक देशों के व्यापारियों के बीच वस्तुओं तथा सेवाओं के क्रय-विक्रय या आयात-निर्यात को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।

Conclusion:- While the goods and services are bought and sold or imported and exported in between or among two or more than two countries, it is called International trade.

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का वर्गीकरण

Classification of International Trade

- आयात (क्रय) Import
- निर्यात (विक्रय) Export
- पुनः निर्यात Re export (क्रय करके विक्रय)

(A) स्थानीय व्यापार Local Trade.

(B) राज्यस्तर का व्यापार State level Trade

(C) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार International Trade

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार व आन्तरिक व्यापार में समानता

Similarities in International Trade and Internal Trade

(1) व्यापार के उद्देश्य (अधिकतम लाभ व सन्तुष्टि) objectives of the trade (optimum Profit Satisfaction)

(2) स्वैच्छिक विनिमय (बिना किसी दबाव) Voluntary transactions (without any Pressure.)

(3) वस्तुओं व सेवाओं का आदान प्रदान Transactions of Goods and Services

(4) दो पक्षकार Two Parties.

(5) समान प्रकृति Similarity in Nature

(6) वैकल्पिक सौदे
Optional Bargain

(7) समान विक्रय एवं विपणन प्रयास
Equal sales and Marketing Efforts.

(8) एक समान वाणिज्यिक सेवाएँ.
Common Commercial Services.
(banking, insurance, communication, transportation, and godown etc)

(9.) सांस्कृतिक. एवम् सामाजिक सम्बन्धों का विकास
Development of Cultural and Social Relations.

(10.) दोनों का आधार विशिष्टीकरण
Basis of both is Specialisation.

(11) दोनों ही पक्षकारों को लाभ.
Advantages to Both the Parties.

(12) तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धान्त लागू.
Application of Comparative cost advantage theory.

Lecture no. 02.

Date : 02/09/2020.

[आन्तरिक व्यापार व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में असमानताएँ]

Dissimilarities in International Trade and Internal Trade.

1. उत्पादन के साधनों में गतिशीलता.
Mobility of Factors of Production.
2. मौद्रिक प्रणाली में भिन्नता.
Difference in the Monetary System
3. मौद्रिक संस्थाओं में भिन्नता
Difference in Monetary Institutions.
4. भुगतान की समस्या
Problem of Payment.
5. व्यापार एवं विनिमय नियन्त्रण.
Trade and Exchange Control.
6. व्यापार शर्तें
Terms of Trade.
7. बाजारों की पृथकता
Separation of Markets.

(8) विभिन्न राष्ट्रीय नीतियाँ.
Different National Policies.

(9) विभिन्न सामाजिक व्यापारिक परम्पराएँ.
Different business and social Customs.

(10) विभिन्न राजनीतिक इकाइयाँ
Different Political Units.

(11) व्यापारिक उद्देश्यों में भिन्नता
Dissimilarities of Trading objectives.

(12) परिवहन की समस्या
Problem of Transport.

(13) क्रेता व विक्रेता के बीच की दूरी.
Distance between buyer and Seller..

(14) भौगोलिक व प्राकृतिक स्थिति में अन्तर
Difference in Geographical and Natural Conditions.

(15) प्रतिस्पर्धा की प्रकृति में अन्तर.
Difference in the nature of competition.

(16) समस्याओं की भिन्नता.
Different types of Problems.

(17) राष्ट्रीय आर्थिक जीवन [सभी देशों का अलग होता है]
National Economic Life.

(18) सांख्यिकीय सूचनाएँ
Statistical Informations.

(19) नाप तोल सम्बन्धी भिन्नता.
Difference in Weights and measurements.

(20) पूंजी का आवागमन
Movement of Capital.

—— x —— x ——

B.Com II year and BBA III year. Lecture no. 03. (International Trade and Finance)

(अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त)

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता

- (A) भौगोलिक आवश्यकता
  - (i) प्राकृतिक सम्पदाओं का असमान वितरण
  - (ii) भौगोलिक स्थिति
  - (iii) मानवीय क्षमता की भिन्नता
  - (iv) प्राकृतिक विपदाएं
- (B) आर्थिक आवश्यकता
  - (i) संतुलित व प्रभावी विकास की इच्छा
  - (ii) विदेशी विनिमय भंडारों में वृद्धि की इच्छा
  - (iii) पूंजीगत माल की संचित दरों में भिन्नता
  - (iv) अवसर लागत का सिद्धान्त
  - (v) तुलनात्मक लाभ प्राप्ति की इच्छा
  - (vi) विकास स्तर की भिन्नता
  - (vii) श्रम विभाजन
- (C) सामाजिक आवश्यकता
  - (i) सभ्यता एवं संस्कृति की भिन्नता
  - (ii) विभिन्न वस्तुओं के उपभोग की इच्छा
  - (iii) मांग या पसन्दगी
- (D) राजनीतिक आवश्यकता
  - (i) सुदृढ़ राजनैतिक सम्बन्ध स्थापित करने की इच्छा
  - (ii) राजनैतिक प्रभुत्व की लालसा

Need of International Trade

(A) Geographical Need.
(i) Unequal Distribution of ~~National~~ Natural Resources.
(ii) Geographical Location and Climate.
(iii) Different Human Capacities.
(iv) Natural Calamities.

(B) Economic Need.
(i.) Desire for a Balanced and Effective Develop-ment.
(ii.) Desire for increase in Foreign Exchange Reserves.
(iii) Difference in the stock of Capital goods
(iv) Theory of opportunity Cost
(v) Desire for comparative profits.
(vi.) Difference in Development level.
(vii.) Division of Labour.

(C) Social Need.
(i) Difference in Civilization and Culture.
(ii.) Desire for Varied Consumption
(iii.) Demand or Preferences

(D) Political Need.
(i) Desire to Develop Strong Political Rela-tions
(ii) Desire to Gain Political Strength.

Lecture no 04

Page No. 2
Date 08/09/2020

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ / महत्त्व / गुण

(A) आर्थिक लाभ

(i) विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन
(ii) प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग
(iii) संतुलित औद्योगीकरण
(iv) बड़े पैमाने पर बचतें
(v) आर्थिक व प्राकृतिक संकटों में सहायक
(vi) उपभोक्ताओं के जीवन स्तर में वृद्धि
(vii) उद्योगों का आधुनिकीकरण
(viii) एकाधिकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश
(ix) रोजगार के अवसरों में वृद्धि
(x) पूंजी निर्माण की दर में वृद्धि
(xi) सरकारी आय में वृद्धि
(xii) आर्थिक विकास की दर में वृद्धि
(xiii) विदेशी विनिमय की प्राप्ति
(xiv) मूल्यों में समानता की प्रवृत्ति
(xv) तकनीकी ज्ञान का विस्तार
(xvi) सस्ती वस्तुओं की उपलब्धता
(xvii) विशिष्ट वस्तुओं की उपलब्धता
(xviii) उत्पादन विधि में सुधार
(xix) अतिरिक्त उत्पादन का उपयोग
(xx) श्रम और पूंजी में गुणात्मक परिवर्तन

(B) गैर आर्थिक लाभ

(i) सांस्कृतिक सम्बन्ध
(ii) अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि
(iii) अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व
(iv) विश्व शांति को बल
(v) शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्व

——XXXXX——

Advantages / Importance / Merits of International Trade

(A) Economic Advantages

(i) Specialisation and Division of Labour
(ii) Full Utilisation of Natural Resources
(iii) Balanced Industrialisation.
(iv) Economies of Large scale
(v) Relief at the time of Economic crises and Natural calamities.
(vi.) Rise in the Living standard of consumers.
(vii.) Modernisation of Industries
(viii) Restriction on Monopolies.
(ix) Increase in Employment opportunities
(x) Increase in Rate of Capital Formation.
(xi.) Increase in Government's Revenue.
(xii) Increase in Rate of Economic Development
(xiii) Earning of Foreign Exchange.
(xiv.) Trend of Price Equalisation.
(xv) Expansion of Technical Knowledge.
(xvi.) Availability of cheaper Goods.
(xvii) Availability of Specific Commodities
(xviii) Improvement in Production Methods.
(xix) Utilization of Excess Production.
(xx) Qualitative change in Labour and Capital

(B) Non Economic Advantages

(i) Cultural Relations
(ii.) Encouragement to International Co-operation.
(iii.) International Brotherhood
(iv) Strength to world Peace.
(v.) Imporance in the Field of Education.

—xxxxx—

B.Com. II year & BBA III year

Lecture no. 05

Date: 09/09/2020

[अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की हानियाँ / दोष / विपक्ष में तर्क]

(1.) आर्थिक हानियाँ

(i.) खनिज सम्पदा की समाप्ति.
(ii.) विदेशी प्रतियोगिता से हानि.
(iii.) देश का एकांगी विकास.
(iv) प्राकृतिक सम्पदा का अनुचित शोषण.
(v.) अति-उत्पादन व अल्प-उत्पादन का भय.
(vi.) कृषि-प्रधान देशों को अधिक हानि.
(vii.) राशी-पातन का भय.

(2.) सामाजिक हानियाँ

(i) हानिकारक वस्तुओं का उपभोग.
(ii.) देश में वस्तुओं की आपूर्ति में कमी.
(iii) विलासिताओं के उपभोग में वृद्धि.
(iv.) उच्च किस्म की वस्तुओं से घरेलू उपभोक्ता वंचित.
(v.) बेरोजगारी.
(vi.) अनावश्यक खर्चों का उपभोक्ताओं पर भार.
(vii.) भ्रष्टाचार में वृद्धि.
(viii.) सांस्कृतिक धरोहर का नष्ट होना.

(3) राजनैतिक हानियाँ.

(i.) विदेशों पर निर्भरता.
(ii) व्यापार के पीछे झण्डा.
(iii) प्रतिकूल व्यापारिक शर्तों से हानि.
(iv.) राष्ट्रों के बीच मनमुटाव.
(v.) उपनिवेशवाद को बढ़ावा.
(vi.) अन्तर्राष्ट्रीय द्वेष व संघर्ष.
(vii.) युद्धकाल में कठिनाई.

××××× ×××××

[Disadvantages / Demerits / Arguments Against International Trade.]

(1.) Economic Demerits.

(i.) Exhaustion of Mineral Wealth.
(ii.) Loss due to Foreign Competition.
(iii) One-sided Development of the Country.
(iv) Under Exploitation of Natural Resources.
(v.) Fear of Over-Production and under Production.
(vi) Loss to Agriculture Dominating Countries.
(vii) Fear of Dumping.

(2.) Social-Demerits.

(i) Consumption of Injurious Goods.
(ii.) Short supplies of commodities in the country.
(iii.) Increase in Consumption of Luxury Goods.
(iv.) Scarcity of Export Quality Goods to Local Consumers.
(v) Un-Employment.
(vi.) Burden ~~on consumers of~~ Needless Expenses on the Consumers.
(vii.) Increase in Corruption.
(viii.) Destruction of Cultural Heritage.

(3.) Political Demerits.

(i.) Dependence on Foreign Countries.
(ii.) Flag Follows the Trade.
(iii.) Loss due to Unfavourable Terms of Trade.
(iv) Differences among the Countries.
(v.) Encouragement to Imperialism.
(vi.) International Jealousy and Conflict.
(vii.) Difficulties during war period.

×××××× ××××××

B.Com II year & BBA III year. (Lecture no 05.) (International Trade & Finance.)

Dr. Santosh Holey

Date: 14/09/2020

(1)

Problemes of International Trade

(I) Economic Problems:-

(A) Problems Related to Terms of Trade.

(a.) Problems of Credit.
(b.) Quality of Goods.
(c.) Mode of Payments.
(d.) Price Determination.
(e) Bearing the Expenses of Freight, Insurance and otheres.
(f.) Certification of Weight and Quantity of Goods. (Goods)

(B.) Problem of Mutual Contacts.
(C) Problem of Trade Restrictions.
(D) Problem of Fluctuation in Exchange Market.
(E) Problems of Exchange Control.
(F) Problems Related to Business Formalities
(G.) Problems Relating to Packing, Forwarding and Delivery.
(H) Problemm of Means of Transportation.
(I) Problemm of Godown and Warehousing.

(J.) Problem of Finance.
(K.) Problem of International Liquidity.
(L.) Problem of International Dumping.
(M.) Problem of Payment in Foreign currency.
(N.) Problem of Several Trade Risks.
(a.) Loss of Goods in Transit.
(b.) Risk of change of Prices.
(c.) Risk of Insolvency of Importer.
(d.) Risk of Fluctuations in Rates of Exchange.
(e.) Political Risk.
(O.) Problems of Regional Blocks. (Associations)

[अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की समस्याएँ]

(I) आर्थिक समस्याएँ:—
(A) व्यापार शर्तों से सम्बन्धित समस्याएँ

(a.) साख की समस्या
(b.) वस्तुओं की किस्म की समस्या
(c.) भुगतान का तरीका
(d.) मूल्य-निर्धारण.
(e.) रेल किराया, बीमा एवं अन्य खर्चे वहन करना.
(f.) वस्तुओं के भार तथा मात्रा का प्रमाणन.

Dr. Santosh Babu

Page No.

Date :

(03.)

(B.) पारस्परिक सम्पर्क की समस्या।
(C) व्यापारिक प्रतिबन्धों की समस्या।
(D) विनिमय दरों में उच्चावचन की समस्या।
(E) विनिमय नियन्त्रण की समस्या।
(F) व्यापार की औपचारिकताओं सम्बन्धी समस्या।
(G) माल की पैकिंग व सुपुर्दगी की समस्या।
(H) परिवहन के साधनों की समस्या।
(I) गोदाम व भण्डारण की समस्या।
(J.) वित्त की समस्या।
(K) अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या।
(L) अन्तर्राष्ट्रीय राशि-पातन की समस्या।
(M) विदेशी मुद्रा में भुगतान की समस्या।
(N.) विभिन्न व्यापारिक जोखिमों की समस्या।
(a) लाने-ले जाने व उतरने-चढ़ाने में माल का नुकसान।
(b) मूल्यों में परिवर्तन की समस्या।
(c) आयातक के दिवालिया होने की समस्या।
(d) विनिमय दरों में उच्चावचन की समस्या।
(e) राजनीतिक जोखिम।
(f) क्षेत्रीय गठबन्धनों की समस्या।

B. Com II year (Lecture No (01)) Dr. Santosh Pehra
B.B.A II year
International Trade & Finance
15/09/2020.
(01)

II [Non Economic Problems.]
(1.) Ethical Problems
(2.) Environmental Problems.
(3.) Labour Problems
(4.) Problems Related to Social Responsibility.

II [गैर आर्थिक समस्याएँ.]
(1.) नैतिक समस्या.
(2) वातावरण की समस्या
(3.) श्रम की समस्या.
(4.) सामाजिक उत्तरदायित्व से सम्बन्धित समस्या.

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की समस्याओं के समाधान / उपाय / सुझाव.

Remedies / Measures / Suggestions to overcome Problems of International Trade

(1.) व्यापार निर्देशिकाओं का प्रकाशन.
Publication of Trade Directories.

16/09/2020 बुधवार को PTET के Exam में Duty (सारे दिन) की वजह से class नहीं हो पाई। (02)

(2.) आपुरिक मेलों व प्रदर्शनियों का आयोजन

To organise Trade Faires and Exhibitions.

(3.) किस्म का प्रमापीकरण

Standardization of Quality.

(4.) सरल व्यापारिक प्रक्रिया

Easy Trade Procedure

(5.) सरल व प्रभावशाली भुगतान प्रणाली

Easy and Effective Payment System.

(6.) व्यापार व विनिमय नियन्त्रण में ढील.

Relaxation in Trade and Exchange controls.

(7.) विनिमय दरों में सापेक्षिक स्थायित्व.

Relative Stability in Exchange Rates

(8.) अग्रिम विनिमय के सौदे

Transactions of Forward Exchange.

(9.) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त की पर्याप्त व्यवस्था.

Sufficient Availability of International Finance.

To be Continue.... क्रमशः.......

B.Com II year

Lecture no. 08

Dr. Santosh Batra

International Trade

Page No.

Date 21/09/2020

(01)

क्रमशः (गत Lecture से आगे)

(10) वित्तीय संस्थाओं की विस्तार.

Expansion of Financial Institutions

(11) बीमा सुविधाओं में विस्तार.

Improvement of Insurance Facilities

(12) दूरसंचार के साधनों का तीव्र विकास.

Improvement of Effective Tele-communication Facilities.

(13) यातायात के सस्ते एवं तीव्र साधनों का विकास

Development of Cheaper and Fast Transport Facilities.

(14) बन्दरगाहों, गोदामों आदि का विकास.

Development of Ports, Warehouses etc.

(15) मजबूत व मितव्ययी पैकिंग.

~~(16)~~ Effective and Economical Packing.

(16) राशिपातन पर प्रतिबन्ध.

Restrictions on Dumping.

~~(17) क्षेत्रीय देशों द्वारा सहायता.~~

(17.) विकसित देशों द्वारा सहायता.

Aid by Developed Countries

(18.) क्षेत्रीय गठबन्धनों का व्यावहारिक दृष्टिकोण.

Practical Attitude of Regional Associations.

(19.) विशेष-आहरण अधिकारों का विस्तृत प्रयोग.

Wider use of Special Drawing Rights.

(20.) आर्थिक व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन.

Fundamental Changes in Economic Systems.

(21.) आचार-संहिता का निर्माण.

Creation of Code of Conduct.

xxxxx

B.Com. II year. Dr. Santosh Batra

Lecture no 09.

(International Trade & finance)

Page No. 07 Date: 22/09/2020.

व्यापार शर्तें (Terms of Trade)

Meaning (अर्थ):-

The term "Terms of Trade" is an important concept of international economics. This is the most important determinant of the distribution of gains from trade. It is regarded as a good measure to evaluate gains to each country from international trade. It is an "International Exchange Ratio" on which the goods are exchanged in international trade.

साधारण बोलचाल की भाषा में व्यापार की शर्तें उस दर को प्रकट करती हैं जिस पर किसी देश के निर्यातों और आयातों में विनिमय (अदला-बदली) होता है। यह शर्तें यह स्पष्ट करती है कि कोई देश जितनी वस्तुओं का आयात करता है, उनके स्वज में वह कितनी वस्तुओं का निर्यात करेगा अर्थात एक देश की वस्तुओं की एक निश्चित मात्रा आयात करने के

लिए वस्तुओं की कितनी मात्रा का निर्यात करना पड़ेगा। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि व्यापार शर्तों से आशय उन शर्तों से है जिन पर किसी देश के आयातों और निर्यातों का विनिमय होता है।

अत: व्यापार शर्तें → आयातों का कुल मूल्य / निर्यातों का कुल मूल्य

Terms of Trade → Aggregate value of Import / Aggregate value of Export

अनुकूल एवं प्रतिकूल व्यापार की शर्तें
Favourable and Unfavourable Terms of Trade

1. अनुकूल व्यापार की शर्तें – ~~जब एक देश आयात की दी हुई मात्रा के लिए कम वस्तुओं को~~ जब आयातों के मूल्य की तुलना में निर्यातों का मूल्य अधिक होता है। अनुकूल व्यापार शर्तें सम्बन्धित देश के लिए लाभकारी होती हैं। अत: उसके पक्ष में मानी जाती हैं।

Favourable Terms of Trade:— When a country's export value is greater than its import value or for its total import it has ~~less~~ to export less, it is called favourable terms of trade for it.

2. **प्रतिकूल व्यापार शर्तें:**— जब निर्यातों के मूल्य की तुलना में आयातों का मूल्य अधिक हो। प्रतिकूल व्यापार शर्तें सम्बन्धित देश के लिए हानिकारक होती हैं अतः उसके पक्ष में नहीं मानी जाती है।

Unfavourable Terms of Trade:— If a country's import value is more than the value of its export that country is facing adverse or unfavourable terms of trade.

अनुकूल व्यापार शर्तें — आयात मूल्य < निर्यात मूल्य
Favourable Terms of Trade — Imp Price < Export Price

प्रतिकूल व्यापार शर्तें — आयात मूल्य > निर्यात मूल्य
Unfavourable Terms of Trade — Imp. Price > Export Price

व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले घटक
Factors Affecting Terms of Trade

1. वस्तुओं की माँग में परिवर्तन
Changes in Demand for Goods
2. आर्थिक विकास का स्तर
Level of Economic Development
3. संरक्षण नीति Protection Policy
4. देश का राजनैतिक परिवेश
Political Environment of the Country
5. मुद्रा के बाह्य मूल्य में परिवर्तन
Changes in the External Value of Money
6. आर्थिक उच्चावचन
Economic Fluctuations
7. भुगतानों का हस्तान्तरण
Transfer of Payment

8. पूँजी का आवागमन Capital Movement

9. आर्थिक एवं व्यापारिक संगठन
Economic and Business Organisations.

xxxxxxxx

B.Com II year. Lecture no. 10 Dr. Santosh Sahu.

International Trade Finance 23/09/2020.

Page 01

व्यापार की शर्तों के प्रकार अथवा रूप
Types of Terms of Trade.

1 शुद्ध वस्तु विनिमय व्यापार की शर्तें
Net Barter Terms of Trade (NBTT)

एक देश के निर्यातों और आयातों की कीमतों के बीच जो अनुपात होता है उसे ही शुद्ध वस्तु-विनिमय व्यापार की शर्तें कहते हैं। इसे वस्तु व्यापार की शर्तें भी कहते हैं। इसे सूत्र रूप में इस प्रकार रखा जा सकता है:-

$$N = P_x / P_m$$

जहाँ N = शुद्ध वस्तु विनिमय व्यापार की शर्तें (NBTT)
P = कीमत निर्देशांक (Price Index numbers)
x = निर्यात (Export) m = आयात Import

Dr. Santosh Bohra.
23/09/2020

Net Barter Terms of Trade:— (NBTT.)

This terms of trade is also known as commodity terms of trade. It refers to the ratio between the prices of export and imports at a given period compared to an earlier period. The rate of price of export index to price of import index is ~~soff~~ referred to as net barter terms of trade.

Symbolically NBTT = Px/Pm,

Where Px and Pm are the price index numbers of export and import.

2 सकल वस्तु विनिमय व्यापार शर्तें:—

प्रो टॉजिग Gross Barter Terms of Trade:—

ये शर्तें आयात की कुल भौतिक मात्रा और निर्यात की कुल भौतिक मात्रा के बीच सम्बन्ध व्यक्त करती है।

समीकरण = $G = \frac{Qm}{Qx}$

जहाँ G = सकल वस्तु विनिमय व्यापार शर्तें (GBTT)

Q = मात्रा Quantity

x = निर्यात Export

m = आयात Import

Gross Barter Terms of Trade (GBTT)

Prof. Tossing

It is the ratio of physical quantity of import to the physical quantity of export.

Symbolically:- $G = \frac{Q_m}{Q_x}$

where:- G = GBTT

Q = (Quantity)

x = Export

m = Import

3. आय व्यापार शर्तें:- Income Terms of Trade (I.T.T.)

(प्रो. डोरेन्स, ए. एच. इमला तथा जी. एस. डोरेन्स) के मतानुसार,

"किसी देश के लोगों की आयात करने की क्षमता मुख्य रूप से उनकी आय पर निर्भर करती है। यह निर्यातों के मूल्य निर्देशांक को आयातों के मूल्य निर्देशांक से विभाजित करने पर ज्ञात होती है।

समीकरण:- $I = \frac{P_x \cdot Q_x}{P_m}$

जहाँ:- I = आय व्यापार शर्तें, P = कीमतें, Q = मात्रा

x = निर्यात; m = आयात।

23/09/2020 Dr Santosh Bafna

(Prof. Dorence; A.H. Imlah, and G.S. Dorence)

Income Terms of Trade: — (I.T.T.)

It is the index of the value of the exports divided by the price index of imports. It indicates nation capacity to import.

Symbolically expressed as → $I = \frac{P_x Q_x}{P_m}$

where P_x and P_m are the prices of export and import respectively and Q_x is the quantity of export.

4. एक घटकीय व्यापार शर्तें: —

Single Factoral Terms of Trade: —

प्रो. जेकब वाइनर के अनुसार: — यह व्यापार शर्तें निर्यात कीमत निर्देशांक और आयात कीमत निर्देशांक के अनुपात को व्यक्त करती है जिसमें निर्यातों के उत्पादन को देश के साधनों की उत्पादकता में होने वाले परिवर्तनों के अनुसार समायोजित कर लिया जाता है।

सूत्र → $S = \frac{P_x}{P_m} \times Z_x$.

जहाँ S = एक घटकीय व्यापार की शर्तें;

Dr Santosh Batra

23/09/2020 Page No. 05

Z_x = निर्यातों की उत्पादकता का सूचकांक
(P_x व P_m पूर्ववत)

Single Factorial Terms of Trade:—

According to Zekab Winer:— It refers to the ratio of the export price index to the import price index adjusted for changes in the efficiency of productivity of a country's factor in the export industries

$$S = \frac{P_x}{P_m} \times Z_x$$

where S = Single factorial Terms of Trade.

Z_x = Index of Productivity of Export.

(P_x and P_m = as expressed before)

5. द्वि घटकीय व्यापार शर्तें:—

Double Factoral Terms of Trade:—

यदि व्यापार की शर्तों के निर्धारण में निर्यातों के साथ-साथ आयातों के उत्पाद तकनीकी गुणांक को भी शामिल किया जाय तो द्वि घटकीय व्यापार शर्त प्राप्त होती है।

$$D = N \cdot \frac{Z_x}{Z_m}$$

यहाँ → D = द्वि घटकीय व्यापार की शर्तें.

Dr. Santosh Bohra

23/09/2020. Page No. 06

Z_x = निर्यात उत्पादकता निर्देशांक,

Z_m = आयात उत्पादकता निर्देशांक,

N = शुद्ध वस्तु विनिमय व्यापार की शर्तें।

Double Factorial Terms of Trade:—

It is the net barter terms of trade corrected for changes in the productivity not only in export industries but in import also. So it is called double factoral terms of trade.

Symbolically :⟹ $D = N \cdot \frac{Z_x}{Z_m}$

where D = Double Factor Terms of Trade

Z_x = Index of Export products

Z_m = Index of Import Products.

6. वास्तविक लागत व्यापार की शर्तें:—

Real Cost Terms of Trade: एक घटकीय

जैकब वाइनर

व्यापार की शर्तों के निर्देशांक में उन

Dr. Santosh Kumar

23/09/2020.

उत्पादन के साधनों की प्रति इकाई तुष्टिहीनता के निर्देशांक व्युत्क्रम (Reciprocal) का गुणा करते हैं जो निर्यातों के उत्पादन में प्रयुक्त किये जाते हैं फलस्वरूप जो सूचक प्राप्त होता है उसे ही वास्तविक लागत व्यापार की शर्तें कहते हैं।

सूत्र = $R = N \cdot Z_x \cdot R_x$

जहाँ:- R = वास्तविक लागत व्यापार शर्तें

N = शुद्ध वस्तु विनिमय व्यापार की शर्तें.

Z_x = निर्यातों की उत्पादकता का निर्देशांक

R_x = निर्यातों के उत्पादन में प्रति इकाई साधन की तुष्टिहीनता का निर्देशांक

Real Cost Terms of Trade:-

Jacob Viner → To determine the real terms of trade, we correct the single factorial terms of trade index by multiplying S by the reciprocal of an index of the amount of disutility incurred per unit

of productive factors in the export sector of the country. It is a welfare oriented concept.

$$R = N.Z_x R_x$$

where R = as expressed above

Z_x = index of Productivity of efficiency

R_x = index of the amount of disutility incurred per unit of productive factors in the export sector.

[7.] उपयोगिता व्यापार की शर्तें:- Utility Terms of Trade:- यदि वास्तविक लागत व्यापार शर्तों में आयात की सापेक्षिक उपयोगिता और परित्याग की गई वस्तुओं के निर्देशांक (u) से गुणा कर दिया जाय, तो उपयोगिता व्यापार शर्तों को ज्ञात किया जा सकता है।

सूत्र = $U = N Z_x R_x . U$

सूत्र में प्रयुक्त चिन्हों का अर्थ पूर्ववत है।

Dr. Santosh Kalra

23/09/2020

Page No. 09

Utility terms of trade:—

If Real cost terms of trade are multiplied by (U.) utility then we get Utility terms of trade.

Symbolically:— $U = N_2 \times R_x . U$

(All symbols used are as expressed before)

Dr. Santosh Kalra

B.Com II year. 28/09/2020. P no. (01)

Lecture no (11.)

Subject: International Trade & finance

अर्द्ध-विकसित / विकासशील देशों की व्यापार शर्तों के प्रतिकूल रहने के कारण

Causes of Adverse Terms of Trade for Under-developed / Developing Countries.

1. प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन

Production of Primary Goods.

Dr. Santosh Bahra

28/09/2020 (02)

2. अर्थव्यवस्था में लोचशीलता का अभाव.
Lack of Flexibility in Economy.
3. पिछड़ी तकनीक.
Backward Technique.
4. प्रतिस्थापन्न वस्तुओं का प्रभाव.
Effect of Substitute Commodities.
5. संगठन का अभाव.
Lack of Organisation.
6. जनसंख्या की तीव्र गति में वृद्धि
High Growth Rate of Population.
7. उत्पादन के साधनों की गतिशीलता.
Mobility of Factors of Production.
8. निर्यातों की ~~कमी~~ प्रकृति
Nature of ~~Exports~~.
9. विशिष्टीकरण
Specialisation.

28/09/2020. Dr. Santosh Bohra (03)

10. आयातों पर नियंत्रण.

Control on ~~Exports.~~ Imports.

11. माँग की लोच.

Elasticity of Demand.

12. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर विकसित देशों का एकाधिकार.

Monopoly of Developed Countries over International Trade.

XXXXXXXXX

B.Com. II year 29/09/2020 Dr. Santosh Bohra

Lecture no (12.) P.no. (01.)

Subject:- International Trade and Finance

व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले तत्व / घटक.

Factors Affecting Terms of Trade.

(1) वस्तुओं की माँग में परिवर्तन.

Changes in the Demand of Goods.

(2.) आर्थिक विकास का स्तर

Level of Economic Development.

(3.) संरक्षण नीति
Protection Policy.

(4.) देश का राजनीतिक परिवेश
Political Environment of the Country

(5.) मुद्रा के बाह्य मूल्य में परिवर्तन.
Changes in the External Value of money.

(6.) आर्थिक उच्चावचन
Economic Fluctuations.

(7.) भुगतानों का हस्तान्तरण
Transfer of Payments.

(8.) पूँजी का आवागमन.
Capital Movement.

(9.) आर्थिक एवं व्यापारिक संगठन.
Economomic and Business Organisations.

XXXXXX

B.Com. II year. Lecture no (13) Dr. Santosh Batra
Page No. (01)
Subject: International Trade & Finance. Date 30/09/2020

व्यापार शर्तों को मापने की कमियाँ/कठिनाइयाँ
Shortcomings/Difficulties in Measurement of Terms of Trade.

1. विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का आयात-निर्यात. Import-Export of Different varities of Commodities.
2. गुण तथा आकार प्रकार में भिन्नता.
Difference between Quality, Size and Types.
3. आयात-निर्यात को प्रभावित करने वाले कारकों की उपेक्षा.
Avoidance of Factors affecting Import-Export.
4. सूचकांकों के दोष Defects of Index Numbers
5. अन्य तत्वों का प्रभाव
Effects of Other Factors.

Dr. Santosh Batra.

व्यापार शर्तों का व्यावहारिक महत्व.
Practical Importance of Terms of Trade

1. उत्पादन तथा रोजगार
   Production and Employment.
2. विदेशी विनिमय का ज्ञान.
   Knowledge of Foreign Exchange.
3. आर्थिक विकास
   Economic Development.
4. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ की मात्रा का ज्ञान.
   Knowledge of the Gains from International Trade.

B.Com II year Lecture no. 14 Dr. Santosh Behra

Subject :- International Trade & Finance 05/10/2020 (01)

भुगतान संतुलन :- व्यापार संतुलन एवम भुगतान संतुलन की अवधारणा।

Balance of Payments :- Concept of Balance of Trade and Balance of Payment

व्यापार संतुलन का अर्थ एवं परिभाषा

Meaning and Definition of Balance of Trade.

1. बेन्हम के अनुसार :- एक निश्चित अवधि में किसी देश के निर्यातों के मूल्य तथा आयातों के मूल्य के सम्बन्ध को ही व्यापार सन्तुलन कहते हैं।

According to Benham :- The balance of trade is the relationship between the aggregate value of export and the aggregate value of import of a country in a given period of time.

Dr. Santosh Sahu

05/10/2020

(02)

2 डब्ल्यू. एम. स्केमैल के अनुसार; व्यापार संतुलन, एक देश के निवासियों द्वारा विदेशियों को बेची गई वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य तथा उस देश के निवासियों द्वारा विदेशियों से खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का अन्तर होता है।

According to W. M. Scammel :- "The Balance of Trade is the difference of value of goods sold and bought by the residents of one country to the other country."

In an Equation,

$BOT = X - M$.

where BOT = Balance of Trade.

X = Total value of Export

M = Total value of Import.

अतः स्पष्ट है कि संक्षेप में, व्यापार संतुलन किसी निश्चित समय अवधि में (जो प्रायः एक वर्ष होती है) एक

Dr Santosh Batra

25/10/2020 Page No. Date : (23)

देश द्वारा विश्व के सभी शेष देशों को किये गये कुल निर्यात मूल्यों के समग्र योग तथा उसके द्वारा शेष विश्व से किये गये कुल आयात मूल्यों के समग्र योग के अन्तर को कहते हैं।

Thus, The Balance of ~~Payment~~ Trade is the difference between the value of import and export of the country.

It can be of three types

यह तीन प्रकार का हो सकता है

(i) Balanced संतुलित

(ii) Surplus आधिक्य का या अधिक

(iii) Deficit कम या कमी का.

Balance → Import = Export

संतुलित → आयात = निर्यात

Surplus → Export > Import

आधिक्य → निर्यात > आयात

Deficit → Import > Export

कमी → आयात > निर्यात

Dr Santosh Bohra

05/10/2024 Page No. Date: (04)

अनुकूल व्यापार संतुलन के प्रभाव
Effects of Favourable Balance of Trade

1. विदेशी विनिमय कोषों में वृद्धि
   Increase in Forex
2. भुगतान संतुलन की स्थिति में सुधार
   Improvement in the B O T.
3. अनुकूल विनिमय दर
   Favourable Exchange Rate
4. अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ होना
   Economy Becomes Sound.
5. त्वरित आर्थिक विकास में सहायक
   Helpful in Rapid Economic Development
6. देश की प्रतिष्ठा में वृद्धि
   Increase in the Prestige of Country

Dr Santosh Bohra

05/10/2020.

05

7. मुद्रा प्रसार का भय
Fear of Inflation

8. प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि
Increase in competition.

01

B. Com II nd year Lecture no. - 15 Dr. Santosh Bohra

Date - 06/10/20.

SUBJECT - International Trade & Finance

प्रतिकूल व्यापार संतुलन के प्रभाव
EFFECTS OF UNFAVOURABLE BALANCE OF TRADE

प्रतिकूल व्यापार संतुलन का किसी देश की अर्थव्यवस्था पर निम्नांकित प्रभाव पड़ते हैं:

(1) विदेशी विनिमय कोषों में कमी
(Decease in Forex).

(2) विनिमय दर का प्रतिकूल होना
(Unfavourable Exchange Rate)

Dr. Santosh Batra

06/10/2020. (02)

(3) भुगतान संतुलन के असाम्य की सम्भावना
(Possibility of Disequilibrium in BOP).

(4) अर्थव्यवस्था का कमज़ोर होना
(Economy becomes Weak)

(5) आर्थिक विकास में बाधा
(Hinderance in Economic Development)

(6) देश की प्रतिष्ठा में कमी
(Fall in Prestige of Country)

※ प्रतिकूल व्यापार संतुलन को सुधारने के उपाय | तरीके
MEASURES FOR CORRECTING UNFAVOURABLE BALANCE OF TRADE

(1) निर्यात ~~सम्वर~~ सम्वर्धन
(Export Promotion)

(2) आयात नियन्त्रण
(Control on Imports)

Dr. Santosh Bohra

06/10/2020 (03)

(3) राशिपातन की नीति अपनाना

(To Adopt Policy of Dumping)

(4) अवमूल्यन

(Devaluation)

(5) निर्यात साख एवं सुविधाओं में वृद्धि

(Increase in Export Credit and Facilities)

(6) भुगतान संतुलन को अनुकूल बनाना

(Making BoP Favourable)

—— xxx —— xxx —— xxx ——

B.Com. II year (Lecture no. 16.) Dr. Santosh Bohra.

07/10/2020 (01)

Subject:- International Trade and Finance

भुगतान शेष अथवा भुगतान संतुलन का अर्थ एवं परिभाषाएँ

Meaning and Definitions of Balance of Payments

"भुगतान असंतुलन" अथवा "भुगतान शेष" वाक्यांश के कई अर्थ प्रचलित हैं। (1) प्रथम अर्थ में भुगतान-संतुलन का आशय किसी देश में एक समय विशेष में खरीदी व बेची गई विदेशी मुद्रा की मात्रा से है। (2) दूसरे अर्थ में, यह विदेशों से प्राप्त विदेशी मुद्रा तथा विदेशों को भेजे गए भुगतानों से है।

Dr. Santosh Bahri

07/10/2020 Page No. Date (02)

(3) तीसरे अर्थ में, यह आय खाते में भुगतानों का संतुलन बताता है, तथा (4) चौथे अर्थ में, यह अन्तर्राष्ट्रीय ऋणों का भुगतान बताता है।
इस प्रकार यों तो भुगतान सन्तुलन के कई अर्थ हैं, किन्तु सबसे अधिक प्रचलित अर्थ में, "भुगतान-सन्तुलन का अभिप्राय विदेशी मुद्रा की सम्पूर्ण माँग व पूर्ति की परिस्थितियों से है।"

Many meanings are popular for the term "Balance of Payment"

1. Balance of Payment means the quantity of foreign currency bought and sold at some particular time period in any country.
2. Balance of Payment means the difference between the foreign currency received from the foreign countries and payments made to them in foreign currency.
3. It shows Balance of payments in the Income Accounts.
4. It shows the payments of the International debts.

In this way, although the term Balance of Payment is having many meanings, but the most popular and relavent meaning is, "The aggregate Demand for

Dr. Santosh Behra

07/10/2020. Page No. Date (03)

and supply of foreign currency."

परिभाषाएँ :- (Definitions.)

1. प्रो. हेबरलर के अनुसार, "भुगतान-सन्तुलन वाक्यांश का प्रयोग विदेशी मुद्रा की सम्पूर्ण माँग एवम् पूर्ति सम्बन्धी परिस्थितियों के अर्थ में किया जाता है और इसी अर्थ में भुगतान-सन्तुलन की धारणा का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विवेचनों में सर्वाधिक प्रयोग होता है।"

According to Prof. Heberlar, "The Balance of Payment is the quantum of foreign currencies bought and sold in a given period. It is used in the sense of the wide demand and supply situation of foreign currency and it is in the sense the concept of balance of payment is most used in International trade discussion."

2. प्रो. एल्सवर्थ के शब्दों में, "भुगतान सन्तुलन किसी देश के निवासियों और शेष विश्व के निवासियों के मध्य हुए समस्त सौदों का संक्षिप्त विवरण है।"

According to Prof. Elsworth, "This is summary statement of all the transactions between the residents of one country

and the rest of the world. It covers a given period of time, usually a year".

संक्षेप में, भुगतान सन्तुलन अन्तर्राष्ट्रीय लेन देनों का साम्य या सन्तुलन या शेष होता है।

In short, Balance of Payment is known as Balance of International Transactions.

भुगतान शेष अथवा भुगतान सन्तुलन की विशेषताएँ

Characteristics of Balance of Payments

1. Systematic Record of Economic Transaction.
   आर्थिक लेन देन का क्रमबद्ध आलेखन
2. Related with a given Period of time. (usually a year)
   एक दिए गए समय के सम्बन्ध में (प्रायः एक वर्ष)
3. It is an Account or Statiscal Statement.
   यह लेखांकन या सांख्यिकीय विवरण होता है
4. It shows the Relations Between Receipts and Payments.
   यह आय (प्राप्तियाँ) एवं भुगतानों के सम्बन्ध बताता है

Dr. Santosh Bohra.

5. More Comprehensive. (In comparison of BOT)
यह अधिक (ज्यादा) जटिल होता है।
(व्यापार सन्तुलन की तुलना में)

6. Use of Residents in Comprehensive sense. (individuals and firms)
निवासियों शब्द का प्रयोग जटिल अर्थ में
(फर्मस व उद्योग भी शामिल)

7. Balance of Payment always Balances.
भुगतान सन्तुलन सदैव सन्तुलित होता है।

XXXX ==== XXXXX

B. Com. II year — Lecture no 17 — Dr. Santosh Bohra

Subject: International Trade & Finance — 12/10/2020 (01)

भुगतान शेष (सन्तुलन) की प्रमुख मदें
Main Items of Balance of Payments

1. वस्तुओं का आयात-निर्यात
Import and Export of the Goods.

2. सेवाओं का आयात-निर्यात
Import and Export of the Services.

(i) व्यापारिक कम्पनियों द्वारा की गई सेवाएँ
Services of the Trading Companies (बीमा Insurance)

12/10/2020

(ii) विशेषज्ञों की सेवाएँ Services of Specialists.
(चिकित्सक Doctors, प्रोफेसरर्स Professores, इंजीनियर्स etc.)

(iii) शिक्षा सम्बन्धी व्यय Expenses for education.
उच्च शिक्षा के लिए (higher education) के लिए जो India आते हैं (विदेशों से) उनके द्वारा किये गए व्यय के बदले विदेशी मुद्रा प्राप्त होती

(iv) यात्रियों की सेवाएँ (Tourism Services) विदेशी यात्री या सैलानियों से प्राप्त विदेशी मुद्रा

(3.) विदेशी ऋण, विनियोग, मूल धन की वापसी, ब्याज, लाभांश आदि Foreign loan, Investment Return of the Principal Amount, Interest, Dividend etc.

(4.) सरकारी व्यय Government Expenses.
दूतावास (Ambassador) तथा उनके Delicates आदि पर व्यय (राजदूत और वहाँ उनके साथ आए staff पर खर्च)

(5.) जनसंख्या आवास, प्रवास व्यय
Population lodging Expenses.

(6.) विदेशी दान, हर्जाना, मुआवजा, दण्ड।
Foreign Charity, Fines, Panelties etc.

(7.) मौद्रिक स्वर्ण का आयात निर्यात
Export-Import of monetary Gold

Dr Santosh Bohra

12/10/2020

(03)

ऊपर वर्णित मुद्दों को उचित रूप से (a) चालू खाते में तथा (b) पूंजी खाते में इन्द्राज किया जाता है।

Above said all the heads are properly shown / entered in the (a) Current A/c and (b) Capital A/c

~~Book में से B.O.P. के formates & Pictures~~

Lecture no. 18.

B. Com. II year

Dr. Santosh Bohra.

13/10/2020 (01)

Sub:- International Trade and Finance

भुगतान संतुलन में असाम्यता / असन्तुलन के करण

Causes of Disequilibrium in Balance of Payment

1. वृहद विकास कार्यक्रम

Huge Development Programme.

2. आयातों में वृद्धि की गति, अधिक.

High Growth in Imports.

Dr. Santosh Bohra,

13/10/2020

3. निर्यातों में वृद्धि की धीमी गति
Slow Growth in Exports.

4. कमजोर विक्रय शर्तें
Weak Terms of Sales.

5. विनिमय कोषों के उचित उपयोग का अभाव
Lack of Proper Use of Forex.

6. विदेशी ऋणों के भुगतान का बढ़ता बोझ.
Increasing Burden of Payment of Foreign Debts.

7. बढ़ता मुद्रा प्रसार
Rising Inflation.

8. विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद.
Increasing Protectionism in Developed Countries.

9. आयात प्रतिस्थापन का अभाव.
Lack of Import Substitution.

10. विदेशी सहायता में कमी की प्रवृत्ति.
Tendency of Decline in Foreign Aid.

Dr. Santosh Bohra.

11. तस्करी का दुष्प्रभाव
Bad Effects of Smuggling.

12. अन्य कारण
other Reasons.

(i) जनसंख्या में विस्फोट
Population Explosion.

(ii) बढ़ता सुरक्षा व्यय
Increasing Defence Expences.

(iii) प्रजातान्त्रिक व्यवस्था का ऊँचा मूल्य
Hight Price or Rate of ~~Demographic~~ Democratic System.

(iv) सामाजिक सेवाओं का बढ़ता व्यय।
Increasing Expenses on Social Services.

xxxxx

B.Com. II year. [Lecture no. 19.] Dr. Santosh Bohra
Subject:- International Trade & Finance 14/10/2020. (01)

मुगतान सन्तुलन की असाम्यता को सुधारने के उपाय
Measures for Correcting Disequilibrium of B.O.P.

(अ) अमौद्रिक उपाय (ब) मौद्रिक उपाय
(A) Non Monetary Measures (B) Monetary Measures.

Dr. Santosh Bohra

Page No. (02)

14/10/2020.

[अ / A] अमौद्रिक उपाय :-
→ Non Monetary Measures :-

1. निर्यात प्रोत्साहन।
Export Promotion.

2. आयात नियन्त्रण।
Import Control.

3. आयात प्रतिस्थापन को प्रोत्साहित करना।
To Encourage Import Substitution.

4. विदेशी पूँजी-विनियोजन को प्रोत्साहन।
Promotion to Foreign Capital Investment.

5. पर्यटन उद्योग का विकास करना।
Development of Tourism Industry.

6. प्रभावी विनिमय नियन्त्रण।
Effective Exchange Control.

7. तस्करी पर प्रभावी रोक।
Effective Check on Smuggling.

8. विदेशी ऋणों की व्यवस्था करना।
To arrange Foreign Loans/Debts.

Dr. Santosh Batra

14/10/2020. 03.

9. प्रवासी नागरिकों को विदेशी विनिमय प्रेषित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

To Encourage NRIs to Remit Foreign-Exchange.

10. ऋण भुगतानों का स्थगन।

Postponment of Debt Payements.

(a) मौद्रिक उपाय:

(b) Monetary Measures:

1. मुद्रा संकुचन की नीति अपनाना।

To Adopt the Policy of Deflation.

2. मुद्रा स्फीति पर नियन्त्रण।

Check on Inflation.

3. मुद्रा का अवमूल्यन।

Devaluation of Currency.

XXXXX — XXXXX — XXXXX

Dr. Santosh Bohra

Page No. 01

B.Com. II year

Lecture no-20.

Date: 19/10/2020

Subject! - International Trade & Finance

[The Balance of Payment always Balances.]

This statement that a "Balance of Payment always Balances" is true from the accounting point of view, because the balance of payment is an account and this account is kept on the basis of double-entry system under which each debit transaction gives birth to the equal amount of ~~debit~~ credit transaction. All credits must always be equal to all debits. Thus, it is true that the Balance of Payment all balances.

[भुगतान सन्तुलन सदैव सन्तुलित रहता है]

"भुगतान सन्तुलन सदैव सन्तुलित रहता है", यह कथन लेखाशास्त्रीय दृष्टिकोण से पूर्णतः सही है। भुगतान सन्तुलन विवरण, "लेखे की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली" (Double Entry System of Book-keeping) पर आधारित है, जिसमें प्रत्येक सौदे की नाम व जमा दो प्रविष्टियाँ होती हैं और ये दोनों सदैव एक-दूसरे से बराबर होती हैं। इसीलिए, एक लेखा खाते के रूप में भुगतान संतुलन सदैव संतुलित रहता है।

भुगतान सन्तुलन में असाम्यता के प्रकार
Types of Dis Equilibrium in Balance of Payments

प्रो. स्नाइडर ने भुगतान सन्तुलन में असाम्य के दो प्रकार बताए हैं।

According to Prof. Snider, there are two types of Disequilibrium in Balance of Payments.

(1.) संरचनात्मक असाम्य तथा (2.) चक्रीय अथवा मौद्रिक असाम्य
(1) Structural Disequilibrium, (2.) Cyclical or Monetary Disequilibrium.

जबकि प्रो. किंडलबर्गर ने इन दो के अलावा, एक तीसरा प्रकार (3) चिरकालिक असाम्य भी बताया है

Whereas Prof. Kindleberger has explain an extra type (3) Secular Disequilibrium also

(1.) संरचनात्मक असाम्य / असन्तुलन
Structural Disequilibrium.

कारण / causes.

1. उत्पादन की संरचना में परिवर्तन,
changes in Pattern of Production
2. माँग के स्वरूप में परिवर्तन, Changes in the Pattern of Demand

3. व्यापार के स्वरूप में परिवर्तन.
Changes in the Pattern of Trade.
4. व्यापार की शर्तों में परिवर्तन.
Changes in the terms of Trade.
5. संस्थागत परिवर्तन
Institutional Changes.
6. दीर्घकालीन पूँजी प्रवाह में परिवर्तन.
Changes in Long Capital Flows.
7. पूँजी की हानि
Loss of Capital

(2.) चक्रीय अथवा मौद्रिक असाम्य / असन्तुलन
Cyclical or Monetary Disequilibrium
कारण / Causes.

1. सामान्य मूल्य स्तर में परिवर्तन
Changes in General Price Levels.
2. मौद्रिक आय में परिवर्तन
Changes in Monetary Income.

Dr. Santosh Behra.
Page No. (04)
Date 19/10/2020

3. विनिमय दर में परिवर्तन.

Changes in Exchange Rates.

(3.) चिरकालिक असाम्य / असंतुलन

Secular Disequilibrium.

कारण / Causes.

1. पूँजी निर्माण में वृद्धि

Increase in capital formation.

2. औद्योगीकरण में वृद्धि

Enhancement of Industrialization.

3. जनसंख्या में वृद्धि

Increase in Population.

4. साधनों की उपलब्ध मात्रा में परिवर्तन.

Changes in available resources

5. प्रौद्योगिकी एवं उत्पादन तकनीक में सुधार.

Advancement of Technology.

6. व्यावसायिक संगठन में परिवर्तन

Changes in Organisational Set-up

7. बाजार का विस्तार

Expantion of Market.

B.Com II nd year [Lecture no 21. (Twenty one)] Dr. Santosh Bohra.

Page No. 01

Date: 20/10/2020.

Subject:- International Trade & Finance

व्यापार सन्तुलन तथा भुगतान सन्तुलन में अन्तर

Difference in between Balance of Trade and Balance of Payment

अन्तर का आधार	व्यापार-सन्तुलन	भुगतान-सन्तुलन
1. अर्थ Meaning	यह आयात-निर्यात की जाने वाली व्यापारिक-वस्तुओं के मूल्य का अन्तर होता है। It is the difference between values of exports and imports of merchandised goods.	यह सभी अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सौदों (जोड़ल) का तुलनात्मक एवम् क्रमागत लेखा होता है। It is a comprehensive/comparative and systematic record of all international economic transactions.
2. क्षेत्र Scope.	इसका क्षेत्र संकीर्ण होता है। It has narrow scope.	इसका क्षेत्र विस्तृत होता है। It has broad scope.

3. मदें Items.	It has only one item of merchandised goods or visibles. इसके अन्तर्गत केवल दृश्य व्यापार को ही सम्मिलित किया जाता है।	It has several items and accounts, visibles, invisibles, capital and many more. इसमें दृश्य एवम् अदृश्य दोनों व्यापारों को शामिल किया जाता है।
4. विश्लेषण Analysis.	यह भुगतान स्थिति का आंशिक विश्लेषण होता है। It is a part of Balance of Payment.	यह अपने आप में सम्पूर्ण विश्लेषण है। It is a whole analysis in itself.
5. साम्य प्रकृति Equilibrium Nature	इसका सदैव साम्य में होना आवश्यक नहीं है यह अनुकूल अथवा प्रतिकूल हो सकता है It could be either favourable or unfavourable, it is not always balanced.	भुगतान सन्तुलन सदैव साम्य में होता है, क्योंकि यह दोहरी लेखांकन पद्धति पर आधारित है। It is always balanced as it is based on Dual entry System of book-keeping.
6. अर्थव्यवस्था का ज्ञान Knowledge of Economy	यह केवल अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिति बताता है It provides knowledge of international trade only.	यह अर्थव्यवस्था के समस्त बाह्य क्षेत्र की जानकारी भी देता है। It provides knowledge of external sector of economy also.

7. आर्थिक स्थिति पर प्रभाव Effect on Economic Position.	इसका देश की आर्थिक स्थिति पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। यह देश की अर्थव्यवस्था को गहरे रूप से प्रभावित नहीं करता है It does not effect the nation's economy more and also has ~~ont~~ not any intense impact on it.	इसका देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा एवम व्यापक प्रभाव पड़ता है। It has intense and broader impact on the national economy.
8. सापेक्षिक महत्व Relative Importance.	यह सापेक्षिक रूप से कम महत्वपूर्ण है। It is relatively less important.	यह सापेक्षिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण है। It is relatively more important.
9. आर्थिक गणनाओं में उपयोग Use in Economic Calculations.	इसका आर्थिक गणनाओं में कम उपयोग होता है It is less used for Economic Calculations.	इसका आर्थिक-गणनाओं में व्यापक उपयोग होता है It is used at a huge level for the Economic-Calculations of the economy.
10. असामान्यता को सुधारना	असामान्यता को ठीक करने के विशेष प्रयास की जरूरत नहीं	असामान्य ठीक करने के लिए विशेष प्रयास की जरूरत होती है

Dr. Santosh Batra.

Date : 20/10/2020

10. Correcting Dis-equilibrium	Less efforts are needed to correct such kind of Disequilibrium	Special efforts are needed to correct such kind of Disequilibrium.
11. गणना	इसकी गणना करना सरल है।	इसकी गणना करना अपेक्षाकृत जटिल है।
Computation	It is simple to compute it.	It is comparatively complex to compute it.
12. माँग एवम् पूर्ति की प्रकृति	यह वस्तुओं की माँग एवं पूर्ति (आयात - निर्यात) को प्रदर्शित करता है।	यह मुद्राओं की माँग एवम् पूर्ति को प्रदर्शित करता है।
Nature of Demand & Supply	It shows the demand for and supply of goods (Import and Exports)	It shows the demand for and supply of the (MONEY) Currencies.

XXXXXXXX

व्यापार संतुलन एवम् भुगतान संतुलन का सापेक्षिक महत्व

Relative Importance of Balance of Trade and Balance of Payment

Book में से।

B. Com II year Lecture - no. 22. Dr. Santosh Batra Page No. 01

Subject: - International Trade Date 21/10/2020
and Finance.

As Ist unit is completed so today we will have doubt-solving class of Ist unit. If any body is having any doubt in this unit please raise your quiries (Interaction class)

जैसा कि पहली इकाई सम्पन्न हो गई है इसलिए आज हम इस पहली इकाई में यदि किसी को कुछ संशय (समझ में नहीं आया) है तो उसे हल करेंगे। यदि किसी को भी कोई समस्या है तो आप पूछ सकते हैं। (इन्टरेक्शन क्लास) (संवाद की कक्षा)

XXXXXX

B. Com II year Dr. Santosh Batra
Lecture no 23 Page no 1

Subject: - International Trade 31/10/2020
and finance

UNIT - II इकाई II

विदेशी विनिमय का अर्थ

Meaning of Foreign Exchange

Dr Santosh Bohra

Page No. 02

Date : 31/10/2020.

अर्थ :- एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में परिवर्तन

Meaning :- Exchange of currency of one country into the other country

परिभाषा :-

1. हार्टले विदर्स :- विदेशी विनिमय अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राओं के परिवर्तन की कला तथा विज्ञान है।

Hartley & Withers :- Foreign Exchange is an art or science of exchange of international currencies.

2. एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका के अनुसार

विदेशी विनिमय वह प्रणाली है जिसके द्वारा व्यापारिक राष्ट्र पारस्परिक ऋणों का भुगतान करते हैं।

The System by which commercial nations discharge their debts to each other.

विदेशी विनिमय की समस्या के कारण
Causes of the Problem of Foreign Exchange

1. विभिन्न मुद्रायें Different Currencies.

2. स्थायी विनिमय दरों का अभाव
Lack of Stable Exchange Rates.

3. मुद्राओं की माँग और पूर्ति में असाम्य.
Disequilibrium in Demand and Supply of Currencies.

4. भुगतानों में प्रयुक्त साधन की समस्या
Problem of the Means to be used in Payments.

5. भुगतान हस्तान्तरण की समस्या
Problem of Transfer of Payments.

xxxxxx

विदेशी विनिमय दर

Foreign Exchange Rate.

अर्थ तथा परिभाषा:- Meaning and Definition:→

अर्थ:- प्रत्येक देश में अपनी अलग-अलग मुद्राएँ प्रचलित होती हैं और एक देश की मुद्रा दूसरे देश में विधिग्राह्य न होने से विदेशी भुगतानों के लिए एक देश की मुद्रा को दूसरे देश की मुद्रा में प्रत्यक्ष बदलने की समस्या सामने आती है। अतः जिस दर पर देश की मुद्रा दूसरे देश की मुद्रा में बदली जाती है, उस दर को ही विदेशी विनिमय दर कहा जाता है। चूँकि भिन्न भिन्न देशों में भिन्न-भिन्न मुद्राएँ प्रचलित हैं, इसलिए स्पष्टतः एक देश की मुद्रा की विनिमय दर अलग-अलग मुद्राओं के सन्दर्भ में भिन्न-भिन्न होगी।

किसी देश की विदेशी-विनिमय दर को दो तरह से व्यक्त किया जा सकता है:- (अ.) प्रत्यक्ष विनिमय दर:- जब स्वदेशी मुद्रा की एक इकाई के बदले में अन्य देशों की मुद्रा इकाइयों को व्यक्त किया जाता है, तो ऐसी विनिमय दर प्रत्यक्ष विनिमय दर कहलाती है। उदाहरण के लिए, भारत का एक रुपया अमेरिका के 03 सेण्ट के बराबर अथवा भारत का एक रुपया इंग्लैण्ड के 01 पेन्स के बराबर है। (ब.) अप्रत्यक्ष विनिमय दर:- जब किसी विदेशी मुद्रा की एक इकाई के बदले में स्वदेशी मुद्रा की इकाइयों को व्यक्त किया जाता है, तो ऐसी विनिमय दर को परोक्ष या अप्रत्यक्ष विनिमय दर कहा जाता है। उदाहरण के लिए, एक अमेरिकी डॉलर भारत के 73 ₹ के बराबर अथवा इंग्लैण्ड

Teacher's Signature: ....

का एक पौण्ड भारत के 70 रु के बराबर।

Meaning:— Foreign-Exchange Rate refers to the rate at which the currency of one country can be converted into the currency of another country. The rate of exchange, thus, indicates the exchange ratio between the currencies of two countries, for example, if one US-$ Dollar is equal to 73 ₹ of India what this implies that one US $ Dollar can fatch 73 Indian Rupees in the exchange-market.

The Rate of Exchange is expressed in foreign-exchange-market in two ways (a) Direct Rate of Exchange:— The rate is expressed in terms of domestic currency. By taking the one unit of foreign currency, we take the value of domestic currency. For example, one US$ dollar is equal to 73 Indian Rupees.

(b) Indirect Rate of Exchange:— The rate is expressed in terms of foreign currency or indirect rate-method. In this method, the home currency unit is kept constant and foreign currency unit is varied. The rate is stated to be quoted in the indirect method.

(a) Direct Method US$ 01 = 73 ₹.
(b) Indirect Method ₹ 73 = US$ 01.

परिभाषाएँ: (Definition):-

1. क्राउथर के अनुसार:- "यह (विनिमय दर) विदेशी विनिमय बाजार में एक देश की मुद्रा इकाई के बदले दूसरे देश की मुद्रा इकाइयों की संख्या को मापती है।"
According to Crowther:- "It (Rate of Exchange) measures the units of one currency which will exchange, in the foreign exchange market, for another."

2. हैन्स के अनुसार:- "विनिमय दर एक मुद्रा की दूसरी मुद्रा में व्यक्त की गई कीमत है।"
According to Haines:- "Exchange rate is the price of the currency stated in terms of another country."

3. सेयर्स के अनुसार:- "चलन मुद्राओं के एक दूसरे में प्रकट किए गए मूल्यों को ही विदेशी विनिमय दर कहते हैं।"
According to Sayers:- "The prices of currencies in terms of each-other are called Foreign-Exchange Rate."

4. थॉमस के अनुसार, "किसी समय विशेष पर, एक मुद्रा की इकाई की दूसरी मुद्रा इकाई में कीमत ही दो मुद्राओं की विनिमय दर कहलाती है।"
According to Thomas:- The price of one currency unit in terms of another currency is Foreign Exchange Rate.

संक्षेप में :—> दो मुद्राओं का आपसी विनिमय अनुपात
In Short —> Mutual Exchange Ratio of two Currencies

Dr. Santosh Behra. Date: 05/11/2020

Ex. No.: .... Page No.: 04

विदेशी विनिमय दर के प्रकार
Types of Foreign Exchange Rates

1. सामान्य दर एवम् वास्तविक दर.
Normal Rate and Actual Rate.

2. सुपुर्दगी के स्थान पर दर एवम् आगामी/भावी दर
Rate at the Spot of Delivery of currency and Forward Rate.

3. एकल दर और बहुल दर
Single Rate and Multiple Rate.

4. प्रत्यक्ष दर एवम् अप्रत्यक्ष दर
Direct Rate and Indirect Rate.

5. क्रय दर एवम् विक्रय दर
Buying Rate and Selling Rate.

6. अनुकूल दर एवम् प्रतिकूल दर
Favourable Rate and Unfavourable Rate.

7. औपचारिक एवम् अनौपचारिक दर
Formal and Unformal Rate.

8. स्थिर एवम् तैरती हुई या स्थायी एवम् परिवर्तनशील विनिमय दर
Fixed And Floating Rate of Exchange

XXXX

Teacher's Signature: ....

B.Com II year. Dr. Santosh Behra Date: 06/11/2020

Subject:- International Trade and Finance {Lecture no 25.} Page No.: 01

स्थिर, स्थायी अथवा निश्चित विनिमय दरें

Fixed or Stable Exchange Rate

जब एक देश अपनी मुद्रा का मूल्य दूसरे देशों की मुद्रा में निश्चित कर देता है तथा वह इसे स्थिर रखता है, तो इसे स्थिर विनिमय दर कहा जाता है।

While one country fixes a fix price of its currency in terms of other nation's currency and keeps it stable, it is called Fixed or Stable Exchange Rate.

ऐसी व्यवस्था केवल दो बार ही लागू की गई थी: 1945 ई० में अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना के बाद तथा 1972 ई० में जब डॉलर का दूसरी बार अवमूल्यन हुआ।

Such an arrangement was implemented only twice. First time at the time of establishment of International Monetary Fund in the year 1945 and Second time at the time of devaluation of the Dollar ($) in the year 1972.

उसके बाद यह व्यवस्था समाप्त हो गई। Thereafter this system was ended.

{स्वर्णमानकाल में स्थिर दरें टकसाली समता (Mint Par) सिद्धान्त द्वारा निर्धारित होती थीं। At the time of Gold Standard period fixed costs were determined on the basis of (Mint Part Theory).

Dr Santosh Bohra

Date: 06/11/2020

Ex. No. :

Page No.: 02

स्थिर अथवा निश्चित विनिमय दरों के लाभ / महत्व या पक्ष में तर्क

Advantages / Importance or Arguments in Favour of Fixed Exchange Rates.

अथवा (OR)

स्थिर विनिमय दरों की श्रेष्ठता अथवा वांछनीयता

Superiority or Desirability of Fixed Exchange Rate

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि — Increase in International Trade
2. पूँजी निर्माण को प्रोत्साहन — Encouragement to Capital Formation
3. विदेशी पूँजी का आकर्षण — Attraction of Foreign Capital.
4. द्रुत आर्थिक विकास — Rapid Economic Growth.
5. नियोजन की सफलता — Success of Planning.
6. भुगतान संतुलन बनाए रखने में सहायक — Helpful in Maintenance of Balance of Payments.
7. विश्वसनीय एवम् कुशल मौद्रिक नीतियाँ — Relyable and Efficient Monetary Policies.
8. आर्थिक स्थिरता में सहायक — Helpful in Economic Stability.
9. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में वृद्धि — Increase in International Co-operation.
10. मुद्रा की साख व विश्वनीयता में वृद्धि — Increase in Goodwill and relyability of Currency
11. सट्टे की प्रवृति पर अंकुश। — Check on Speculation.

xxxxx

Thanks.

Dr. Santosh Bohra

B.Com. II year

Subject: International Trade & Finance

Lecture no. 26. B

Date 07/11/2020

Page No. : 01

स्थिर / निश्चित विनिमय दरों के दोष, कठिनाइयाँ अथवा विपक्ष में तर्क
Disadvantages, Difficulties or Arguments against Fixed Exchange Rates.

1. प्रतिबन्धित तथा नियंत्रित प्रबन्ध व्यवस्था
Preventive and Controlled System.
   (i.) स्थिरीकरण कार्यवाही Pegging Operations.
   (ii.) घरेलू मुद्रा की मात्रा में परिवर्तन Change in Domestic currency circulation.
   (iii.) विनिमय नियन्त्रण Exchange Control.
2. व्यापक प्रतिबन्ध Wide Preventive Measures.
3. राष्ट्रीय हितों की अवहेलना Negligence of National Interests.
4. आर्थिक विकास में बाधा Obstacle in Economic Development.
5. पूर्ण रोजगार में बाधक Obstacle in Full Employment.
6. अवमूल्यन की बाध्यता एवं भय Compulsion and Fear of Devaluation.
7. संचालन सम्बन्धी कठिनाइयाँ Operational Difficulties.
8. तस्करी तथा अन्य अनैतिक व्यापार व्यवहार को प्रोत्साहन
Encouragement to Smuggling and Immoral Trade Practices.
9. मौद्रिक नीति की सफलता में संदेह
Success of Monetary Policy is Doubtful.

Thanks

Teacher's Signature : ....

परिवर्तनशील, लोचदार, अस्थिर, चलायमान अथवा तैरती विनिमय दरें
Flexible, Floating or Fluctuating Exchange Rates;

परिवर्तनशील विनिमय दरें उन विनिमय दरों को कहते हैं जो विदेशी विनिमय बाजार में विदेशी मुद्रा की माँग और पूर्ति की स्वतन्त्र और सापेक्षिक शक्तियों द्वारा निर्धारित होती हैं और जो विदेशी मुद्रा की माँग और पूर्ति की शक्तियों में होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप परिवर्तित होती रहती हैं।

The flexible, free or floating rates refer to the system where the exchange rates are determind by the conditions of market forces viz. the demand for and supply of foreign exchange in the market. The rates are free to fluctuate according to the changes in demand and supply forces with no restrictions on buying and selling of foreign currencies in the exchange market.

[परिवर्तनशील विनिमय दरों की व्यवस्था जो प्रचलन में रही, वह इस प्रकार हैं:→ Flexible Exchange Rate System in use is as following.]

1. 1914 से 1925 तक का काल ⟶ प्रथम विश्व युद्ध के कारण
Time Period from 1914 to 1925 → Due to Ist World-War.
2. 1931 से 1945 तक का काल ⟶ तीसा की महान मन्दी के कारण
Time Period from 1931 to 1945 → Due to the Great Decrease of Thirties.

Teacher's Signature: ....

3. 1974 से लगातार ⟶ 1973 में डॉलर तथा 1974 में येन के अवमूल्यन के कारण

From 1974 to continuously → Due to devaluation of dollar in 1974 and Yen in 1973.

परिवर्तनशील विनिमय-दरों की लोकप्रियता की अनुकूल परिस्थितियाँ अथवा वातावरण

Favourable Circumstances / Environment of the Popularity of Floating Exchange Rates.

1. पौंड संकट Pound Crises 1967.
2. स्वर्ण संकट Gold Crises 1968.
3. फ्रैंक संकट Franc Crises 1969
4. मार्क संकट Marc Crises 1969, 1971 and 1973.
5. डॉलर संकट Dollar Crises 1971.
6. स्टर्लिंग संकट Sterling Crises 1972.
7. येन संकट Yen Crises 1973 and 1974.

परिवर्तनशील विनिमय दरों के लाभ, महत्त्व, वांछनीयता अथवा पक्ष में तर्क

Advantages, Importance, Desirability or Arguments in Favour of Fluctuating Exchange Rates

1. वास्तविक स्थिति की सूचक Indicator of Real Economic Position.
2. भुगतान संतुलन का नियंत्रक Controller of Balance of Payments.
3. स्वतन्त्र आन्तरिक आर्थिक नीति Free Internal Economic Policy.
4. मौद्रिक नीति का सफल संचालन Successful Operation of Monetary Policy.

Dr. Santosh Bohra. Date : 19/11/2020

Ex. No. : Page No. 03

5. सट्टे की क्रियाओं में कमी Reduction in Speculation.
6. स्वतन्त्र विश्व-व्यापार सम्भव Free International Trade Possible.
7. सस्ती लागत Economical.
8. मौद्रिक नीति का स्वतन्त्र होना Free Monetary Policy.
9. मौद्रिक क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण Strong Monetary Sector.
10. आर्थिक विकास में सहायक Helpful in Economic Development.
11. अवमूल्यनों से मुक्ति Freedom from Devaluations.
12. स्वयं समंजनीय Self Adjusting.
13. अन्तर्राष्ट्रीय साख में वृद्धि Increase in International Goodwill.
14. मूल्यों में अनिश्चितता का भय निराधार Baseless Fear of Uncertainity in Prices.

xxxxxxxxxx

B.Com. II year. Dr. Santosh Bohra 20/11/2020

International Trade & Finance

Lecture no. 28

Page no. 01

परिवर्तनशील विनिमय दरों के दोष, कठिनाइयाँ अथवा विपक्ष में तर्क

Disadvantages, Difficulties, or Arguments Against Floating Exchange Rate.

1. अविश्वसनीय Un-reliable
2. वित्तीय साधनों की बर्बादी Wastage of Financial Resources.
3. विदेशी व्यापार को धक्का Setback to International Trade.
4. विकासशील देशों के विकास में बाधा Obstacle in Development of Developing Countries.

Teacher's Signature : ....

5. सीमित पूँजी प्रभाव Limited Capital Movement.
6. मुद्रा बाजार पर बुरा प्रभाव Bad Effect on Money Market.
7. आर्थिक अस्थिरता Economic Instability.
8. सट्टे को बढ़ावा Encouragement to Speculation.

विदेशी विनिमय दर निर्धारण के सिद्धान्त
Theories of Foreign Exchange Rate Determination

A. Mint Par Theory टकसाली क्षमता सिद्धान्त
B. Purchasing Power Parity Theory क्रय-शक्ति क्षमता सिद्धान्त.
C. Demand and Supply Theory. माँग एवम् पूर्ति सिद्धान्त. या
or Balance of Payment Theory भुगतान संतुलन सिद्धान्त

A. MINT PAR THEORY
टकसाली क्षमता सिद्धान्त

When the two countries are on Gold-Standard. Their currencies are also either in Gold Coin or convertible into gold at fixed rate. The rates between these two currencies are determined by the par of exchange. This par of exchange between countries is, in the words of S.E. Thomas, called the "Mint Par of Exchange". The mint par of exchange is an expression of the ratio between the statutory bullion equivalents of the standard monetary units of two countries on the same metallic standard.

For Example In India and America Gold standard is in use.
01 American Dollar = 15 Grane Pure Gold.
7.50 ₹ of India = 15 Grane Pure Gold

Hence 01 Dollar = 7.50 Indian ₹ is foreign Exchange Rate.

जब दो देशों में स्वर्णमान प्रचलित होता है, तब दोनों देशों की प्रामाणिक मुद्राएँ स्वर्ण की बनी हुई होती हैं, अथवा स्वर्ण में परिवर्तनशील होती हैं। ऐसे समय में दो देशों की मुद्राओं में विनिमय दर का निर्धारण टकसाली समता सिद्धान्त पर बहुत सरलता से हो सकता है। इस सिद्धान्त के अनुसार विनिमय दर दोनों देशों की मुद्राओं के प्रामाणिक सिक्कों की विशुद्ध स्वर्ण की समानता स्थापित करके प्राप्त की जाती है और इसे विनिमय का टंक समता सिद्धान्त या टकसाली समता सिद्धान्त कहते हैं। उदाहरणार्थ, माना कि भारत एवम् अमेरिका में स्वर्णमान प्रचलित है तो

यदि 01 अमेरिक डॉलर = 15 ग्रेन शुद्ध सोना
07.50 भारतीय ₹ = 15 ग्रेन शुद्ध सोना
तो 01 अमेरिकन डॉलर = 07.50 भारतीय ₹
की विदेशी विनिमय दर होगी।

टंक समता से उतार चढ़ाव की सीमायें
Gold Points or Limits of Mint Par

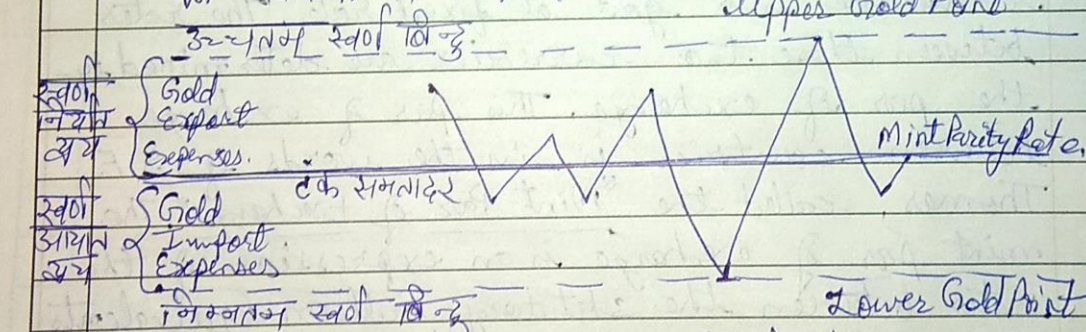

Now in the world economy, there is not a single Country either on Gold or Silver Standard. Thus

the theory has lost it's significance. This discussion is now of purely academic intrest.

अब विश्व की अर्थव्यवस्था में किसी भी देश में स्वर्णमान या रजतमान का प्रचलन नहीं है अतः इस सिद्धान्त का कोई महत्व नहीं है यह केवल अकादमिक विचार के लिए पढ़ी जाती है।

XXXXXXX

B.Com. II year. Dr. Santosh Bohra 21/11/2020.
International Trade and Finance | Lecture no. 29. | Page no. 01

(B.) Purchasing Power Parity Theory
क्रय शक्ति समता सिद्धान्त.

क्रय-शक्ति समता सिद्धान्त क्या है?

What is Purchasing Power Parity Theory?

इस सिद्धान्त के अनुसार "दो अपरिवर्तनीय पत्र मुद्रामान वाले देशों के बीच विनिमय दर निर्धारण उन दोनों देशों की मुद्राओं की क्रय-शक्ति के पारस्परिक अनुपात द्वारा होता है।" किसी एक देश की मुद्रा की एक इकाई के बदले में औसतन जितनी वस्तुएं और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, वह उस देश की मुद्रा की क्रय शक्ति कहलाती है।

उदाहरण :- 01 रु. की क्रय शक्ति = x वस्तु
13 डॉलर की क्रय शक्ति = x वस्तु
तो क्रय शक्ति समता 1 रु. = 13 डॉलर.

इस प्रकार पत्र मुद्रामान वाले देशों में विनिमय दर उनकी मुद्राओं की क्रय-शक्ति के अनुपात के अनुसार तय होती है।

Teacher's Signature : ....

Dr. Santosh Behra. Date: 21/4/2020

Page No.: 02

Ex. No.: ....

The determination of exchange rate is very difficult in both the countries are having inconvertible paper currencies. The exchange rate under paper currency standard rate is determined by the theory of purchasing power parity.

Example Purchasing Power of 01 ₹ = x Commodity
Purchasing Power of 13 Dollar = x Commodity
Hence, Purchasing Power Parity of 01 ₹ = 13 Dollars

The rate under this theory is determined on the basis of relative price level of purchasing power सर्वप्रथम स्वीडन अर्थशास्त्री गस्टव कैसेल ने सर्वप्रथम फिर 1802 में व्हीटले ने फिर 1810 में गस्टव कैसेल के विलियम ब्लेक ने इस सिद्धान्त को बताया फिर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रिकार्डो ने इस सिद्धान्त को प्रतिपादित किया।

Swedish Economist Gustav Casill introduced this theory at very first time. After then in 1802 Wheatley and in 1810 William black explained this theory after then famous Economist Ricardo also established this theory.

परिभाषा (Definition)

1. गस्टव कैसेल के अनुसार, "मुद्राओं में विनिमय दर अवश्य ही उनकी क्रय-शक्ति के भागफल पर निर्भर करती है।
According to Gustav Cassel :- The rate of exchange

Teacher's Signature : ....

between two currencies must stand essentially on quotient of the internal purchasing power of these currencies."

2. क्राउथर के शब्दों में, "मुद्राओं के मध्य विनिमय का अनुपात वही होने की प्रवृति होती है जो उनकी सापेक्षिक क्रय-शक्ति का अनुपात हो।"

According to Crowther, "The ratio of exchange between two currencies tends to be the same as the ratio between their respective purchasing power.

कॉल, कीन्स, टॉमस आदि ने भी इसी तरह की परिभाषाएँ दी हैं। Cole, Keynes, Tomas etc. have given same type of definitions.

विशेषताएँ Characteristics / Features.

1. विनिमय दर का निर्धारण Determination of Exchange Rate
2. विनिमय दरों में परिवर्तन Change in Exchange Rates.
3. परिवर्तन की दिशा एवं सीमा Direction and limit of the change
4. दीर्घकालीन प्रवृति के द्योतक Significance of long term tendencies
5. क्रय शक्ति क्षमता का निर्धारण

Determination of Purchasing Power Parity.

Dr Santosh Rohra

Date: 21/11/2022

Page No.: 04

Ex. No.:

क्रय शक्ति समता सिद्धान्त की आलोचनाएँ
Criticism of Purchasing power Parity Theory.

1. मुद्राओं की क्रय शक्ति का ठीक ठीक माप कठिन
Difficult to measure correct purchasing power of the currencies
2. परिवहन व्यय की उपेक्षा Ignorance of Transport expenditure
3. एक पक्षीय एवं अपूर्ण सिद्धान्त
Single sides & incomplete theory
4. माँग की लोच सम्बन्धी गलत मान्यता
Wrong assumption of elasticity of demand.
5. विनिमय दर को पहले ही मानकर चलना अनुचित
It is incorrect to pre determine the Exchange rate
6. दीर्घकालीन प्रवृत्ति Long term Tendencies
7. वस्तुओं के गुणों की उपेक्षा Ignorance of quality of goods
8. स्वतन्त्र व्यापार नीति की कल्पना मिथ्या
Imagination of Free Trade Policy is not true.
9. अव्यावहारिक Not Practical.

Teacher's Signature:

Dr. Santosh Behra, Dr. Santosh Behra

Date: 26/11/2020

Ex. No.: International Trade and Finance

Page No.: 01

Lecture no 30.

(c) माँग एवम् पूर्ति सिद्धान्त या भुगतान संतुलन
Demand and Supply Theory or Balance of Payment Theory.

इस सिद्धान्त के अनुसार दो देशों में विनिमय दर का निर्धारण विदेशी मुद्रा की माँग एवम् पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों के साम्य से होता है। जिस दर पर विदेशी मुद्रा की माँग उसकी पूर्ति के बराबर होगी वही विनिमय वही विनिमय दर का निर्धारण होगा। वस्तु के मूल्य की भाँति ऊँची विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की माँग कम तथा नीची विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की माँग अधिक होगी जबकि पूर्ति के नियम के अनुसार नीची विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की पूर्ति कम तथा ऊँची विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की पूर्ति अधिक होती है जहाँ इन दोनों शक्तियों में साम्य स्थापित हो जाता है वहीं विनिमय दर का निर्धारण होता है जैसा कि चित्र से स्पष्ट है:→

माँग वक्र = Demand Curve

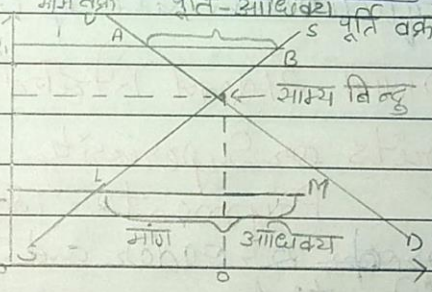

पूर्ति आधिक्य = Supply Surplus

साम्य बिन्दु = Equilibrium Point

माँग आधिक्य = Demand Surplus

विदेशी विनिमय की माँग एवं पूर्ति

माँग एवं पूर्ति में संतुलन से विनिमय दर का निर्धारण

Exchange Rate determination Through Equilibrium of Demand & Supply Theory

Teacher's Signature :

Dr Santosh Bohra

Date: 26/11/2020

Ex. No.:

Page No.: 02

The theory is also known as the general theory of exchange rate. It has linked itself with the general equilibrium theory of value. It is supposed to be the most satisfactory explanation of the determination of the rate of exchange. According to this theory, the rate of exchange is determined by the demand and supply of foreign exchange in the exchange ~~market~~ market. The exchange rate tends to equate the demand and supply of foreign exchange. The rate of exchange is only a price, the price of the foreign currency in terms of the domestic currency. Like any other price, the rate of exchange is also determined by the market forces of demand and supply.

The rate of exchange is determined at a point where there is a parity, equality or equilibrium between demand and supply. Thus, it is also known as the "Equilibrium Rate of Exchange."

भुगतान संतुलन सिद्धान्त की श्रेष्ठता / गुण

Merits or Superiority of Balance of Payments Theory

1. ~~Broader~~ Broader and Comprehensive.
व्यापक व [illegible]
2. Practicle
व्यावहारिक

Teacher's Signature:

Dr. Santosh Behra   Date: 26/11/2020

Ex. No. :   Page No. : 03

3. रचनात्मक सुझाव देता है It provides constructive suggestions.

4. उपयुक्त विश्लेषण Right Analysis.

5. सामान्य विश्लेषण का ही एक भाग है It is part of General Equilibrium Analysis.

1. व्यापक व जटिल :- यह सिद्धान्त बड़ा व्यापक है, क्योंकि यह सभी प्रकार की मुद्रामान प्रणालियों में लागू हो सकता है तथा इस सिद्धान्त में दो देशों के बीच समस्त देनदारियों तथा लेनदारियों चाहे वे दृश्य व्यापार (Visible Trade) से सम्बन्धित हों अथवा अदृश्य व्यापार (Invisible Trade) से सम्बन्धित हों, सबका पूरा-पूरा ध्यान रखा जाता है।

Broader and Comprehensive:- It includes almost all factors which influence the rate of exchange. It is such a Broader Theory because it is implemented on all kinds of monetary systems. All visible trades and invisible trades are considered under this theory in which all debits and credits of both the counties participating in it are incurred.

2. Practicle :- व्यावहारिक :- यह सिद्धान्त व्यावहारिक है, क्योंकि विदेशी विनिमय की माँग की सभी मदों तथा पूर्ति की सभी मदों का एकसाथ विश्लेषण किया जाता है। यह सिद्धान्त यह भी बताता है

Teacher's Signature : ....

कि किसी भी मद में होने वाले परिवर्तन माँग एवं पूर्ति को प्रभावित कर विनिमय दर को प्रभावित कर सकता है।

Practicle :– As it recognises the price of foreign currency is the function of many significant variable and not merely the purchasing power it could be termed as practicle and realistic theory.

3. रचनात्मक सुझाव देता है :– यह सिद्धान्त भुगतान असंतुलन को ठीक करने के लिए रचनात्मक सुझाव देता है कि अवमूल्यन अथवा पुनः-मूल्यांकन द्वारा विनिमय दर में परिवर्तन से भुगतान असंतुलन को सुधारा जा सकता है।

It Provides Constructive Suggestions :– This Theory provides better and constructive suggestions to correct, if there are imbalances in balance of payment like devaluation and appreciation in the value of money.

4. उपयुक्त विश्लेषण :– यह सिद्धान्त विदेशी मुद्रा की माँग एवं पूर्ति दोनों के संयुक्त विश्लेषण से विनिमय दर का निर्धारण बताता है जो अधिक उपयुक्त लगता है, यह सिद्धान्त बहुपक्षीय है।

Teacher's Signature : ....

Appropriate Analysis:– It shows the possibility of adjustments imbalance in the balance of payments more clearly rather than through definition by the purchasing parity theory so it is a more appropriate method of correcting disequilibrium.

5. सामान्य विश्लेषण का ही एक भाग है

6. It is part of General Equilibrium.

भुगतान सन्तुलन सिद्धान्त की आलोचनाएँ या दोष

Criticism or Drawbacks of Balance of Payments Theory.

1. **अवास्तविक मान्यताएँ:–** यह सिद्धान्त कई अवास्तविक मान्यताओं पर आधारित है, जैसे– आधुनिक सिद्धान्त में पूर्ण प्रतियोगिता एक मिथ्या धारणा है। दीर्घकालीन विश्लेषण का व्यावहारिक जीवन में कोई विशेष महत्त्व नहीं है। अन्य बातें यथावत नहीं रहतीं।

Unrealistic Assumptions:– This theory is based on certain unrealistic assumptions. Other things don't remain constant always.

2. भुगतान संतुलन मदें स्थिर नहीं रहतीं उनमें परिवर्तन होता रहता है।

Dr. Santosh Bohra

Date: 26/11/2020

Ex. No. :

Page No. : 06.

Items of Balance of Payments are not constant.

3 विनिमय दर स्वयं भुगतान सन्तुलन को प्रभावित करता है।

Exchange Rate also affects Balance of Payments.

4. यह मूल्य स्तर की उपेक्षा करता है:- इस सिद्धान्त में मूल्य-स्तर की उपेक्षा की जाती है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि मूल्य स्तर देश में उत्पादन लागतों व मूल्यों को ही प्रभावित नहीं करता वरन् व्यापारिक दशाओं पर भी प्रभाव डालता है जो अन्ततः भुगतान संतुलन को भी प्रभावित कर विनिमय दर में उतार-चढ़ावों को जन्म देता है।

It neglects General Price Level:- This theory does not give due importance to the price level of the economy as it assumes that there is no causal connection between the rate of exchang and the price level. Actually there is a close relationship between the two because price cost structure affects the balance of payment position.

5 यह सिद्धान्त अनिश्चित व संशय युक्त है।

This theory is uncertain and confusing.

Thank You.

Teacher's Signature :

B. Com. II year. Dr. Santosh Bohra — Date: 27/11/2020

International Trade & Finance — Lecture no 31 — Page No.: 01

विदेशी विनिमय दर में परिवर्तन या उच्चावचन या उतार चढ़ाव के कारण

Causes of changes or Fluctuations or Ups and downs in Foreign Exchange Rate

1. Change in the Demand and Supply of foreign exchange. विदेशी विनिमय की माँग और पूर्ति में परिवर्तन,
2. State of International Trade अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिति,
3. Monetary Policy मौद्रिक नीति,
4. Speculative Activities सट्टे की गतिविधियाँ,
5. Capital Movement पूँजी की गतिशीलता,
6. Activities of Middlemen and Brokers. मध्यस्थों एवम दलालों की गतिविधियाँ
7. Industrial Factors औद्योगिक तत्व,
8. Currency Conditions मुद्रा की स्थिति,
   (a) Inflation मुद्रा स्फीति,
   (b) Deflation. मुद्रा अपस्फीति,
   (c) Devaluation अवमूल्यन,
9. Political Conditions राजनैतिक परिस्थितियाँ,
10. Fiscal and Other Economic Policies राजकोषीय एवं अन्य आर्थिक नीतियाँ,
11. Policy of Protection संरक्षण की नीति,

Teacher's Signature : ....

Dr. Santosh Bohra — Date: 27/11/2020

Ex. No.: — Page No.: 02

12 Exchang Control विनिमय नियन्त्रण,

13. Capital Market and Stock Exchange. Condition पूँजी बाजार एवम् स्कन्ध-विनिमय की स्थिति,

14. Banking Conditions. बैंकिंग की परिस्थिति,

15. National Income राष्ट्रीय आय,

16. Resources Discoveries साधनों की खोज,

17. Psychological Factors मनोवैज्ञानिक तत्व,

18. Technical and Market Factors, तकनीकी एवम् विपणन तत्व,

19. Other Factors and Conditions अन्य तत्व एवं परिस्थितियाँ।

Thank You all

B.Com. II year Dr. Santosh Bohra. Date 28/11/2020

International Lecture no 32. Page No. 01

Trade and Finance.

विनिमय दरों के उच्चावचन / उतार-चढ़ाव की सीमाएं

Limits of Fluctuations in the Rate of Exchange

1. धातुमान के अन्तर्गत:- जब दो देश स्वर्णमान, रजतमान, अथवा एक स्वर्णमान तथा दूसरा रजतमान पर हो तो विनिमय दर की उच्चावचन की न्यूनतम और अधिकतम सीमाएँ स्वर्ण बिन्दुओं (Gold Points) से मर्यादित होती हैं।

Under Gold Standard:- Under this system, the rate of exchange is governed by the gold points, the rate invariably remains with in the gold points.

2. पत्र मुद्रामान में:- विनिमय-दर में उतार-चढ़ाव किसी भी सीमा तक हो सकता है।

Under Paper Currency System:- Fluctuation in exchange rates may be upto any limit.

3. मिश्रित प्रणाली में:- अर्थात एक देश में धातुमान व दूसरे में पत्रमुद्रा मान होने पर दरों में अधिकतम चढ़ाव स्वर्ण बिन्दु से मर्यादित होगा। (धातुमान वाले देश के) तथा पत्र मुद्रा मान वाले देशों में दरें किसी भी सीमा तक घट या बढ़ सकती हैं।

(न्यूनतम की कोई सीमा नहीं होगी)

Dr Santosh Bohra. Date: 28/11/2020

Ex. No. : Page No. : 02

3. In the Mixed System; - there will be Gold standard in one country and paper currency in another. Here the country having Gold standard will be governed by the Gold point for the higher fluctuations in the exchange rates and for lower rate no limits will be there. And the country having paper currency will not have any limit for such fluctuations.

विदेशी विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव पर नियन्त्रण के तरीके

Methods of Controlling Fluctuations in Foreign Exchange Rates

1. विदेशी व्यापार घाटे पर नियन्त्रण,
   Control on Foreign Trade Deficit.
2. विदेशी पूंजी के आवागमन पर नियन्त्रण;
   Control on Foreign Capital Movement
3. मुद्रा के अवमूल्यन एवम् अधिमूल्यन पर रोक,
   Check on Devaluation and Revaluation.
4. विदेशी विनिमय सट्टे पर प्रभावी रोक,
   Effective control on Speculation of Foreign Exchange.

Teacher's Signature : ....

Dr. Santosh Bohra

Date: 28/11/2020

Ex. No.:

Page No.: 03

5. मौद्रिक उपाय Monetary Measures
6. केन्द्रीय बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा का विक्रय एवं क्रय
Sale and Purchase of forein exchand by Central Bank
7. विदेशी विनिमय स्थिरीकरण कोष की स्थापना।
Establishment of Foreign exchange Stabilization Reserve.
8. विदेशी विनिमय नियन्त्रण। Foreign Exchange Controls.
9. विदेशी मुद्रा मांग पर नियंत्रण
Control on Foreign Exchange Demand
10. कीमत स्तर पर नियन्त्रण
Control on Price-Level.
11. उतार-चढ़ाव के कारणों पर नियन्त्रण
Control on the causes of fluctuations.
12. राजनीतिक स्थिरता
Political Stability.
13. आर्थिक संकटों पर प्रभावी नियन्त्रण.
Effective control on Economic Crises
14.

Thank You all XXXX ☺ ☺ ☺ ☺

Teacher's Signature: